



पूरक पोषण आहार, फोर्टफाइड चावल और एथेनाल एवं पावर प्लांट लगाने के लिये नजी कंपनियों के साथ दो एमओयू पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों?

13 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री कवासी लखमा की उपस्थिति में उद्योग भवन रायपुर में छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग ने पूरक पोषण आहार, फोर्टफाइड चावल और एथेनाल एवं पावर प्लांट लगाने के लिये नजी कंपनियों के साथ दो एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बंदि

- छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग एवं सुरुचा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दलिली के मध्य पूरक पोषण आहार तथा फोर्टफाइड राइस के लिये अनुबंध हुआ, जसिमें कंपनी 7 करोड़ रुपए का नविश करेगी। इस उद्योग से 800 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा।
- छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग एवं यूनिटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एथेनाल एकसट्रैक्शन फॉर्म मेज बेसड कॉर्न स्टार्च एंड डैमेज राइस एवं पावर प्लांट के लिये अनुबंध हुआ, जसिमें कंपनी 183 करोड़ का नविश करेगी। इस उद्योग से लगभग 120 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। इस प्रकार कुल 7 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।
- पूरक पोषण आहार तथा फोर्टफाइड राइस के लिये छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग के सचवि भुवनेश यादव और सुरुचा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से संचालक हमिंशु गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये, वही एथेनाल एकसट्रैक्शन फॉर्म मेज बेसड कॉर्न स्टार्च एंड डैमेज राइस एवं पावर प्लांट के लिये छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग के सचवि भुवनेश यादव और यूनिटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के संचालक बसंत कुमार अग्रवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।
- इन समझौतों के होने से अब एथेनाल बनाने में चावल, गेहूँ, जौ, मक्का और ज्वार जैसे अनाजों का इस्तेमाल कया जा सकेगा।
- गौरतलब है कि फोर्टफाइड चावल पोषक एवं स्वास्थयवर्धक है। यह आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 से युक्त होता है। इसमें मौजूद आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 जैसे पोषक तत्व बड़ों एवं बच्चों में खून की कमी नहीं होने देते हैं तथा खून निर्माण एवं तंत्रिका तंत्र के सही ढंग से कार्य करने में सहायक होते हैं।
- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 30 दिसंबर, 2021 को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में एथेनाल उत्पादन के लिये अनाज आधारित भट्टियों की स्थापना करना और मौजूदा अनाज आधारित भट्टियों का वसितार करने की योजना को मंजूरी दी गई थी। बैठक के बारे में जारी वजिज्ञप्ति में बताया गया कि अनाज से एथेनाल बनने पर लगभग 175 लाख मीटरकि टन अनाज (चावल, गेहूँ, जौ, मक्का और ज्वार) का इस्तेमाल कया जा सकेगा।
- एथेनाल एक तरह का अल्कोहल है जसि पेट्रोल में मलाकर गाड़ियों में फ्यूल की तरह इस्तेमाल कया जा सकता है। इथेनाल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने की फसल से होता है लेकिन शर्करा वाली कई अन्य फसलों से भी इसे तैयार कया जा सकता है। इससे खेती और पर्यावरण दोनों को फायदा होता है।
- इसके अलावा एथेनाल का उपयोग वार्निश, पालिश, दवाओं के घोल तथा इनका नषिकर्ष, ईथर, क्लोरोफार्म, कृत्रमि रंग, पारदर्शक साबुन, इत्र तथा फल की सुगंधों का नषिकर्ष और अन्य रासायनिक यौगिक बनाने में होता है। पीने के लिये विभिन्न मदिराओं के रूप में, घावों को धोने में जीवाणुनाशक के रूप में तथा प्रयोगशाला में घोलक के रूप में इसका उपयोग होता है। पीने के औषधियों में यह डाला जाता है और मरे हुए जीवों को संरक्षित रखने में भी इसका उपयोग होता है।
- एथेनाल दो वधियों से तैयार कया जाता है। इसमें पहली संश्लेषण वधि व दूसरी कणिवीकरण वधि है। संश्लेषण वधि-एथिलीन गैस को सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल में शोषित कराने से एथिल हाइडरोजन सल्फेट बनता है जो जल के साथ उबालने पर जल अपघटित (हाइड्रोलाइज) होकर एथिल ऐल्कोहल देता है। इस वधि का प्रचलन अभी अधिक नहीं है।
- वही कणिवीकरण वधि के द्वारा कसि भी शक्करमय पदार्थ (गन्ने की शक्कर, ग्लूकोस, शोरा, महुए का फूल आदि) या स्टार्चमय पदार्थ (आलू, चावल, जौ, मकई आदि) से ऐल्कोहल व्यापारिक मात्रा में बनाते हैं।

